Dainik Bhaskar (Hindi) (Indore ed.), 09th June 2013, City Bhaskar, Page-1

Morning Mantra
जीतना एक आदत होती है। दुर्भाग्य से, हारना भी एक आदत ही बन जाती है।
- अज्ञात

City भास्कर
इंदौर | 9 जून, 2013 | sunday
प्रतिष्ठा भी ले डूबेगा झूठी शान का दिखावा
Page | 20
facebook/citybhaskar.com
दैनिक भास्कर

आईआईटी इंदौर का पहला कन्वोकेशन

पहली बैच के पांच सितारे

आईआईटी इंदौर की पहली पासआउट बैच के पांच स्टूडेंट्स को राष्ट्रपति के हाथों गोल्ड मेडल मिला।

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

आईआईटी इंदौर की पहली बैच के 101 स्टूडेंट्स राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के हाथों डिग्री पाने के बाद झूम उठे। जुलाई 2009 में कई सवालों के बीच आईआईटी इंदौर को इन्होंने चुना था, वे लाखों का पैकेज पाकर आईआईटी से बाहर निकल रहे हैं।

इस बैच में पांच ऐसे स्टूडेंट्स हैं, जिन्होंने भविष्य में इंदौर आईआईटी में एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स के लिए अलग-अलग तरीके से मिसाल कायम की। बैच का औसत पैकेज 9.50 लाख रुपए रहा, लेकिन दो स्टूडेंट्स ने 18-18 लाख रुपए सालाना के पैकेज पर हैदराबाद की डीई सॉफ्टवेयर कंपनी में प्लेसमेंट पाया।

एक स्टूडेंट ने एंटरप्रेन्योरशिप के लिए जॉब ऑफर्स ठुकरा दिए। सिटी भास्कर से आईआईटी इंदौर की शनिवार को पहली कन्वोकेशन सेरेमनी में छाए स्टूडेंट्स के बारे में जाना।

राष्ट्रपति के हाथों मेडल, सर्टिफिकेट्स और डिग्री हासिल करने के बाद आईआईटी इंदौर की पहली बैच के पासआउट स्टूडेंट्स ने कैप उछालकर खुशी का इजहार किया।

इन्हें मिला गोल्ड मेडल

अंकित गोयल

ब्रांच - इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
खास - दिल्ली निवासी अंकित 106 स्टूडेंट्स की पूरी बैच में एकेडमिक टॉपर रहे। उन्हें राष्ट्रपति गोल्ड मेडल मिला। एक साल पहले पिता सुनील गोयल नहीं रहे। मां शिखा गोयल ने हमेशा मोटिवेट किया। अंकित का 10 लाख के पैकेज पर प्लेसमेंट हुआ।
लर्निंग - अपना काम पूरी ईमानदारी से करो।

अभिषेक चौधरी व निहाल बालानी

ब्रांच - कम्प्यूटर साइंस **खास** - दोनों को मैक्जिमम पैकेज 18-18 लाख रुपए मिला। हैदराबाद की सॉफ्टवेयर कंपनी डीई में प्लेसमेंट हुआ। दिल्ली के अभिषेक कम्प्यूटर साइंस ग्रुप में अपनी बैच के टॉपर रहे और उन्हें राष्ट्रपति सिल्वर मेडल से सम्मानित किया गया। निहाल मुंबई से हैं।
लर्निंग - वे कहते हैं कि मैंने यहां आकर अपनी काबिलियत पर यकीन करना सीखा।

रंजोदसिंह धालीवाल

ब्रांच - कम्प्यूटर साइंस
खास - अमृतसर के रहने वाले रंजोद किसी भी सॉफ्टवेयर कंपनी में लाखों का पैकेज ले सकते थे, लेकिन उन्होंने हम एंटरप्रेन्योर बनने की ठानी।
लर्निंग - जॉब सीकर नहीं, जॉब क्रिएटर बनो।

अनुकृति जैन

ब्रांच - कम्प्यूटर साइंस
खास - पहली बैच में मात्र 11 लड़कियां थीं। दिल्ली की रहने वाली अनुकृति उनमें से एक हैं। उन्हें गर्ल्स में सर्वाधिक पैकेज 10 लाख रुपए सालाना का मिला है।
लर्निंग - लड़कियां जिद करें, मेहनत करें और आगे आएं।

सेरेमनी के दौरान कुछ स्टूडेंट्स एकदूसरे को बधाई दे रहे थे तो कुछ अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे।

ये भी पीछे नहीं

अनामिका पटेल- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की अनामिका कहती हैं कि जो अच्छा लगे वही करना चाहिए। इसी बात पर यकीन था और यही वजह रही कि मैं यहां तक पहुंची।
रीमा सक्सेना- मैकेनिकल इंजीनियरिंग की टॉपर रीमा का सपना रिसर्च का है। उनका चयन एक अमेरिकन यूनिवर्सिटी में हुआ था।
अनंत पालीवाल- कम्प्यूटर साइंस बैच के अनंत का प्रोजेक्ट बैच में बेस्ट रहा। उन्हें राष्ट्रपति ने सर्टिफिकेट दिया।